

**न्यूज़ ब्रीफ**

केन्द्र ने भारत और खाड़ी देशों के बीच गहरे समुद्र में एनर्जी पाइपलाइन से जुड़ी खबरों को किया खारिज



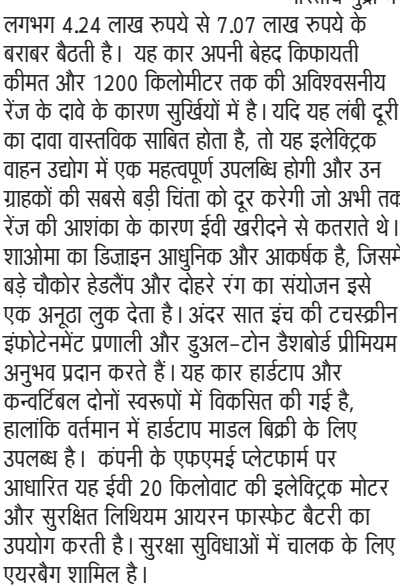
नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ने वाली गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन पर काम कर रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने ऐसी कई मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत सरकार गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसे कभी-कभी मिडिल ईस्ट-इंडिया डीपवाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) कहा जाता है और यह पाइपलाइन गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ेगी। मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा कि इस समय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन नहीं है। इस प्रोजेक्ट को लेकर ओमान या किसी अन्य खाड़ी देश के साथ मंत्रालय के किसी भी स्तर पर कोई सक्रिय चर्चा या बातचीत नहीं हो रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा, कि यह स्पष्टीकरण इस मामले से जुड़ी सभी अटकलों को खत्म करने के लिए जारी किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि एलएनजी जहाज दिशा सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यह जहाज 62,370 टन द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर आ रहा है।

डीजल, एटीएफ पर विंडफाल टैक्स फिर बढ़ा, 16 जून से प्रभावी हुई नई दरें

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकने के उद्देश्य से डीजल और एटीएफ पर 14 रुपये प्रति लीटर (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स में वृद्धि की घोषणा की है। यह बढ़ी हुई दरें 16 जून से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को मौजूदा 13.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ के निर्यात पर यह शुल्क 9.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले 1.5 रुपये प्रति लीटर शुल्क में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर नहीं पड़ेगा। यह निर्णय भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर लिया गया है। सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर पहली बार शुल्क लगाया था, जिसकी पखवाड़े समीक्षा की जाती रही है। विंडफाल टैक्स का प्राथमिक मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के भीतर ईंधन आपूर्ति प्रभावित न हो और निर्यातकों को बाजार की अस्थिरता का अनुचित लाभ न मिल सके।

चीन की छोटी ईवी कार शाओमा की लोकप्रियता ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। चीन की वाहन निर्माता कंपनी बेस्टयून ने अपनी शाओमा नामक एक छोटी ईवी कार से ग्राहकों का काफी ध्यान खींचा है। चीन में इसकी कीमत लगभग 30 हजार से 50 हजार युआन के बीच है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 4.24 लाख रुपये से 7.07 लाख रुपये के बराबर बैठती है। यह कार अपनी बेहद किफायती कीमत और 1200 किलोमीटर तक की अविश्वसनीय रेंज के दावे के कारण सुर्खियों में है। यदि यह लंबी दूरी का दावा वास्तविक साबित होता है, तो यह इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी और उन ग्राहकों की सबसे बड़ी चिंता को दूर करेगी जो अभी तक रेंज की आशंका के कारण ईवी खरीदने से कतराते थे। शाओमा का डिजाइन आधुनिक और आकर्षक है, जिसमें बड़े चौकोर हेडलैंप और दोहरे रंग का संयोजन इसे एक अनूठा लुक देता है। अंदर सात इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट प्रणाली और डुअल-टोन डैशबोर्ड प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। यह कार हार्डटॉप और कन्वर्टिबल दोनों स्वरूपों में विकसित की गई है, हालांकि वर्तमान में हार्डटॉप माडल विक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी के एफएमई प्लेटफॉर्म पर आधारित यह ईवी 20 किलोवाट की इलेक्ट्रिक मोटर और सुरक्षित लिथियम आयन फास्टचैज बैटरी का उपयोग करती है। सुरक्षा सुविधाओं में चालक के लिए एयरबैग शामिल है।



गेहूं-सोयाबीन पर खाड़ी का असर, यूएस-ईरान सुलह की आहट से दामों में गिरावट

हार्लुज की उम्मीद ने बढ़ाई सप्लाई, किसानों की लागत घटने से उत्पादन बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली

आमतौर पर स्थानीय मौसम, फसल की पैदावार और मांग-आपूर्ति के समीकरण तय करते हैं कृषि जिनमें की कीमतें लेकिन इस बार गेहूं और सोयाबीन जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों के दाम हजारों किलोमीटर दूर पश्चिम एशिया की भू-राजनीति से हिल गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते और हार्लुज

जलडमरूमध्य के सामान्य होने की उम्मीदों ने इन दोनों जिनमें की वैश्विक बाजारों में चार महीने के निचले स्तर पर धकेल दिया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों और व्यापारियों दोनों की नजरें अब खाड़ी क्षेत्र पर टिकी हैं।

एक रिपोर्ट बताती है कि गेहूं की कीमतें गिरकर 5.80 डॉलर प्रति बुशल के करीब पहुंच गई हैं, जो 10 अप्रैल के बाद का न्यूनतम स्तर है। इसके पीछे मुख्य कारण हार्लुज जलडमरूमध्य के सुचारु संचालन की संभावना है, जिससे खाद और ईंधन की आपूर्ति आसान होगी, किसानों की लागत घटेगी और अंततः उत्पादन वृद्धि से बाजार में सप्लाई का दबाव बड़ेगा। हालांकि, यह पूरी तरह से एकतरफा नहीं है; अमेरिका में सूखे की गंभीर स्थिति ने यूएसडीए को

शीतकालीन गेहूं उत्पादन अनुमान घटाने पर मजबूर किया है, और फसल की गुणवत्ता भी रिपोर्टें निचले स्तर पर हैं, जो संभावित रूप से गिरावट को सीमित कर सकती हैं। सोयाबीन बाजार भी दबाव में है, जहां कीमतें 11.2 डॉलर प्रति बुशल से नीचे कारोबार कर रही हैं और चार महीने के निचले स्तर पर हैं। इसकी एक बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है, जिससे बायोफ्यूल की मांग कमजोर पड़ने की आशंका है, क्योंकि सोयाबीन का उपयोग इसमें होता है।

इसके अतिरिक्त, अमेरिकी मौसम का फसल के लिए अनुकूल बने रहना, दक्षिण अमेरिका (विशेषकर अर्जेंटीना, जिसका यूएसडीए अनुमान 5 करोड़ टन है) से मजबूत आपूर्ति, दुनिया के सबसे बड़े आयातक चीन को सुस्त मांग और अमेरिकी प्रोसेसिंग प्लांट्स में

मरम्मत के चलते धीमी गतिविधियां, सभी मिलकर सोयाबीन की कीमतों पर चोतरफा दबाव बना रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक स्तर पर सोयाबीन की प्रचुर उपलब्धता का संकेत दे रही है। कुल मिलाकर कर्मांडो बाजार की नजरें फिलहाल अमेरिका-ईरान समझौते की प्रगति और हार्लुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर टिकी हैं। यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होता है और कच्चे तेल की कीमतें नरम बनी रहती हैं, तो गेहूं और सोयाबीन दोनों की कीमतों पर मौजूदा दबाव बना रह सकता है। हालांकि, मौसम संबंधी अप्रत्याशित घटनाएं या वैश्विक फसल उत्पादन में कोई बड़ा बदलाव इन जिनमें की कीमतों की दिशा को अचानक बदलने की क्षमता रखते हैं, जिससे व्यापारियों और किसानों दोनों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

रेजरपे का मेगा आईपीओ जल्द, 60,000 करोड़ की वैल्यूएशन पर होगी एंट्री

गोपनीय तरीके से सेबी को सौंपा डीआरएचपी, भारतीय फिनटेक को मिलेगा नया बूस्ट

नई दिल्ली

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनियों में शुमार रेजरपे ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी दमदार दस्तक देने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने अपने प्रस्तावित आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के पास गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। यह कदम कंपनी के लिए 5,000 करोड़ रुपये से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे लिस्टिंग के बाद इसका वैल्यूएशन 50,000 करोड़ रुपये से 60,000 करोड़ रुपये के बीच पहुंचने का अनुमान है। रेजरपे की यह रणनीतिक तैयारी कई वर्षों से चल रही थी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कदम रिचर्स फिल्लप था। भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के उद्देश्य से कंपनी ने अपनी फॉर्मेटिंग का हेड ऑफिस अमेरिका से भारत शिफ्ट कर लिया था। मई 2023 में इस प्रक्रिया की शुरुआत हुई और 2025 तक यह कारपोरेट डॉका सफलतापूर्वक भारत में स्थानांतरित हो गया, जो स्टार्टअप जगत में एक दुर्लभ और दूरगामी कदम माना जाता है। गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग के तहत रेजरपे अपने वित्तीय और कारोबारी विवरण सेबी को सौंप चुकी है, लेकिन यह जानकारी तुरंत सार्वजनिक नहीं की जाती। यह तरीका कंपनियों को अपने संवेदनशील व्यावसायिक आंकड़ों को प्रतिस्पर्धियों से बचाने में मदद करता है, और हाल के वर्षों में कई बड़ी कंपनियों आईपीओ लाने से पहले इसी रास्ते का इस्तेमाल कर रही हैं।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रेजरपे की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी फिनटेक कंपनी फोनपे ने बाजार में बढ़ती अस्थिरता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का हवाला देते हुए अपने आईपीओ की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी है। फोनपे लगभग 1.5 अरब डॉलर जुटाने और 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन मौजूदा बाजार परिस्थितियों ने



फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस पांच दशक बाद फिर लौटने के लिए तैयार

नई दिल्ली। अपने जमाने की प्रतिष्ठित कारों में शुमार फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस कार पुनः वापसी करने को तैयार है। यह कार करीब पांच दशक बाद फिर सड़कों पर दौड़ेगी। ब्रिटेन की बोरहम मोटरवर्क्स ने फोर्ड मोटर कंपनी के आधिकारिक लाइसेंस के तहत नई फोर्ड एस्कॉर्ट एमके1 आरएस को पेश किया है। यह वापसी आधुनिक तकनीक और वलासिक डिजाइन का एक अनूठा संगम मानी जा रही है। कंपनी का दावा है कि यह कार पूरी तरह नए सिरे से विकसित की गई है, और यह न तो पारंपरिक रेस्टोमाड है और न ही पुराने माडल का साधारण विस्तार। नई एस्कॉर्ट एमके1 आरएस के निर्माण में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है, जिसमें कार्बन फाइबर, बिलेट एल्युमिनियम और उन्नत इंजीनियरिंग शामिल है। इसकी सबसे बड़ी खासियत 10,000 आरपीएम तक घूमने में सक्षम अत्याधिक शक्तिशाली इंजन का विकल्प है। बेहतर प्रदर्शन और हेडलिंग सुनिश्चित करने के लिए, कार के पिछले हिस्से में विशेष पलोडिंग रियर एक्सल सिस्टम लगाया गया है, जिसमें एल्युमिनियम कार्ड्रिंग और टाइटनियम ट्यूबिंग का उपयोग किया गया है। इंजन विकल्पों की बात करें तो, कार में 1.8 लीटर टिवन-कैम इंजन उपलब्ध होगा, जो लगभग 180 हार्सपावर की क्षमता प्रदान करता है। वहीं, प्रदर्शन के शौकीनों के लिए 325 हार्सपावर वाला एक दूसरा, अधिक शक्तिशाली इंजन विकल्प भी रखा गया है। बोरहम मोटरवर्क्स इस एक्सक्लूज़िव माडल की केवल 150 यूनिट्स का निर्माण करेगी, जिससे इसकी विशिष्टता और भी बढ़ जाती है।

उसके प्लान पर ब्रेक लगा दिया। पीक एक्सवी पार्टनर्स, टाइगर ग्लोबल, रिबिट कैपिटल, टीसीवी, मैट्रिक्स पार्टनर्स और लाइटसपीड वेंचर पार्टनर्स जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों का समर्थन प्राप्त रेजरपे का आईपीओ अगर सफल रहता है, तो यह भारतीय फिनटेक सेक्टर

और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल डिजिटल पेमेंट सेक्टर में निवेश और नवाचार को गति देगा, बल्कि अन्य भारतीय स्टार्टअप के लिए भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की नई राहें खोलेगा।

निंजा जेडएक्स-10आर पर चल रहे विशेष आफर की अवधि बढ़ाई



नई दिल्ली

बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी इंडिया ने अपनी लोकप्रिय निंजा जेडएक्स-10आर पर चल रहे विशेष आफर की अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब ग्राहक 30 जून 2026 तक इस आकर्षक प्रस्ताव का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें उन्हें लगभग 2.89 लाख रुपये तक की रिकार्ड छूट मिल रही है।

इस बड़ी राहत के बाद, निंजा जेडएक्स-10आर की प्रभावी एक्स-शोरूम कीमत घटकर लगभग 17.90 लाख रुपये हो गई है, जिससे यह अपने सेगमेंट में एक बेहद प्रतिस्पर्धी विकल्प बन गई है। हालांकि, कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह लाभ कितनी इच्छुक ग्राहकों को जल्द से जल्द अपने नजदीकी अधिकृत विक्रेता से

संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। यह शक्तिशाली सुपरबाइक दो आकर्षक रंग विकल्पों, धात्विक ग्रेफाइट धूसर और धात्विक डियाब्लो काला, तथा लाइम ग्रा और मोती जैसा हिमश्वेत में उपलब्ध है। इसकी ताकत 99.8 घन सेंटीमीटर के द्रव-शीतलित चार-सिलेंडर इंजन से आती है, जो लगभग 200 अश्वशक्ति की ताकत और 114.9 न्यूटन मीटर का अधिकतम घूर्णन बल उत्पन्न करता है। छह-गति वाला गियरबॉक्स के साथ, इसमें ट्रिडिश त्वरित गियर परिवर्तक भी मानक रूप से मिलता है।

आधुनिक तकनीक से लैस यह मोटरसाइकिल रंगीन डिजिटल प्रदर्शन पटल, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, विभिन्न राइडिंग मोड, दोहरे चैनल वाला एंटी-लाक ब्रेकिंग तंत्र, गति नियंत्रण प्रणाली और कर्षण नियंत्रण जैसी उन्नत सुविधाओं से युक्त है। सुरक्षा और संतुलन के लिए इसमें उन्नत शोवा स्स्पेंशन, इलेक्ट्रॉनिक स्टीयरिंग डैम्पर और प्रभावी डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस छूट से प्रीमियम मोटरसाइकिल बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी तेज होगी।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ेगी अगले महीने से



नई दिल्ली। स्वदेशी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि उसके सभी यात्री वाहनों की कीमतें 1 जुलाई 2026 से बढ़ जाएंगी। कंपनी के अनुसार, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े खर्च और महंगाई के दबाव के कारण उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हुई है। इसी बढ़ती लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए कंपनी ने यह निर्णय लिया है। इस वृद्धि का असर पेट्रोल, डीजल और विद्युत चालित सभी प्रकार के माडलों पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स का कहना है कि वे लागत का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक दबाव को देखते हुए कीमत में संशोधन करना आवश्यक हो गया था। गौरतलब है कि यह इस वर्ष टाटा मोटर्स द्वारा की गई दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले अप्रैल महीने में भी कंपनी ने कीमतों में संशोधन किया था। यह कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वाहन उद्योग अभी भी बढ़ती उत्पादन लागत की चुनौतियों से जूझ रहा है। टाटा मोटर्स अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जिसने कीमतें बढ़ाई हों। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी भी हाल ही में अपने वाहनों की कीमतों में अधिकतम तीस हजार रुपये तक की बढ़ोतरी कर चुकी है, जो जून के मध्य से बुक किए जाने वाले वाहनों पर लागू हुई है।

सर्साफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली

घरेलू सर्साफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में सोना 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में 2,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है।

भाव में आई तेजी के कारण देश के सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मजबूती आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्साफा बाजार में 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की



गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्साफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का जोर

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता होने की खबर की वजह से ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स प्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी और ईरान के बीच समझौता होने के बाद बने उत्साह के माहौल में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एक्चेंज 468.77 अंक यानी 0.92 प्रतिशत बढ़ कर 51,671.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 122.83 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,554.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डैक



795.10 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,683.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स प्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,699 के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कपजोरी के साथ 10,430.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसई इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,384.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएक्स इंडेक्स 258.71 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,894.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हंगेरी में 299.67 अंक यानी 1.22 प्रतिशत टूट कर 24,543 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत फिसल कर 1,589.86 अंक के स्तर पर आ गया है।